

क्रम संख्या	दिनांक आशा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	12 <sup>2</sup> / <sub>2024</sub>	पत्रावली पेज हुई। प्रार्थी आधिकारिक विनोद कुमार शर्मा हाजिर। प्रार्थन पत्र पर लक्ष्य चुनी गई। वारंटे आदेश दिनांक 13/02/2024 का पेज हो।	
	13 <sup>02</sup> / <sub>2024</sub>	पत्रावली वारंटे आदेश पेज हुई। प्रार्थन पत्र पर लक्ष्य चुनी जा चुकी है। प्रार्थी की लक्ष्य चुनने एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन करने पर हम पाते हैं कि प्रार्थी ने दावा किया कि वह पेश किया है विवाहित श्रमि का विधिवत बंधन नहीं हुआ है। जब तक विवाहित श्रमि का विधिवत बंधन नहीं हो जाता है तब तक प्रत्येक सहखोतदार या प्रत्येक श्रमि पर प्रमाण एवं अधिकार होता है कोई भी सहखोतदार वादग्रस्त श्रमि के विषय में माग को अपनी नहीं वह सकता, ना ही केवल रहने दस्तावेजों को प्रमाण, ना ही बिना बंधन। बिना बिना परिवर्तन काले श्रमि श्रमि पर बिना भी प्रमाण का निर्माण कर श्रमि से अधिकार में परिवर्तित कर सकता है। रे भी बिना में।	

क्र. संख्या	द्वितीयक अंश या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
-------------	---------------------------	----------------------

अपघात को असापेक्षित घटना से पाबंद किया जाता अन्यथा ही सम्भव है

(36)

अतः घात का उद्देश्य पर अपघात निषेधाज्ञा असापेक्षित घटना के रूप में किया जाता है। पत्रावली को हल धमाका होकर काट तकनीक से काट के भाग हम फीला हो।

(36)